जटिल स्वस्थ्य समस्यायों के निवारण में मर्म चिकित्सा अत्यंत कारगर- विशेषज्ञ

सेरेब्रल पाल्सी ऑटिज्म और अन्य स्थितियों जैसे बच्चों में मानसिक और बौद्धिक विकारों के रोगियों की एक बड़ी संख्या, पोलियोमाइलाइटिस के अलावा मस्कुलोस्केलेटल समस्याएं , जैसे घुटने के जोड़ों में दर्द, संधिशोथ और ऑस्टियो गठिया या कशेरुक स्तंभ और रीढ़ की हड्डी या तंत्रिका संबंधी समस्याओं और लकवा जैसी बीमारियोँ के इलाज में मर्म चिकित्सा अत्यंत प्रभावी और कारगर पाई गयी है | इस सन्दर्भ में ही 7 और 8 अक्टूबर को मर्म चिकित्सा शिविर और जागरूकता अभियान कार्यक्रम हुआ| इस कार्यक्रम का आयोजन लखनऊ स्थित स्वयंसेवी संस्था जीवनीय सोसायटी और हरिद्वार के मृत्युंजय मिशन के सहयोग द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है की मर्म शरीर के वे महत्वपूर्ण स्थान है जिन्हें दबाकर, रगड़ कर या उत्तेजित कर किसी रोग विशेष की चिकित्सा की जा सकती है|

इस अभियान के पहले दिन पूर्वान्ह एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन लखनऊ उत्तर के विधायक डॉ नीरज बोरा द्वारा पुरनिया सीतापुर रोड स्थित पायसम विद्यालय, में किया गया जिसमें मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं या पोलियो आदि से पीड़ित बच्चों सहित जोड़ों के दर्द, रीढ़ की हड्डियों व नाड़ियों (नर्वस सिस्टम) की समस्याओं जैसे गर्दन, कमर, घुटने का दर्द इत्यादि की जटिल समस्याओं से जूझ रहे लगभग सौ से अधिक लोगों को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया गया|

इसी दिन अपरान्ह 4 बजे से नेताजी सुभाष पीजी गर्ल्स कॉलेज अलीगंज के सभागार में आयोजित जागरूकता अभियान व्याख्यान माला के अंतर्गत प्रोफेसर सुनील जोशी , कुलपति, उत्तराखंड आयुष विश्वविद्यालय, उत्तराखंड ने मर्म चिकित्सा और आज की दुनिया में इसकी प्रासंगिकता पर एक व्यावहारिक व्याख्यान दिया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के आयुष मंत्री माननीय श्री दया शंकर मिश्रा 'दयालुजी' मुख्य अतिथि थे| श्री दयालु जी ने अपने संबोधन में मर्म चिकित्सा शिविर तथा जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन हेतु जीवनीय सोसाइटी, लखनऊ तथा मृत्युंजय मिशन, हरिद्वार के अथक प्रयासों की प्रशंसा करते हुए आशा व्यक्त की इस विधा का लाभ उठा कर प्रदेश में लोगों को कठिन स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान में भी सहायता मिलेगी | उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों, स्वास्थ्य कर्मियों,आदि का आह्वान किया की मर्म चिकित्सा से जुड़े सभी आवश्यक तकनीकी पहलुओं को समझ कर उसे जरूरत मंद लोगों तक पहुंचाने में मदद करें| उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस हेतु जो भी आवश्यकता होगी उसका प्रबंध यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय योगी जी के नेतृत्व उत्तर प्रदेश सरकार अवश्य करेगी| इस दिशा में हाल ही में स्थापित राजकीय आयुष विश्वविद्यालय की सहायता से प्रदेश के सभी आयुष कालेजों में इसकी शिक्षा व प्रशिक्षण की व्यवस्था भी करने का सुझाव दिया जायेगा|

मर्म चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर के दूसरे दिन (8 अक्टूबर, 2022) की गतिविधियों में पहले दिन की भांति रोगी अपने चिकित्सीय जांच रिपोर्ट के साथ निदान के लिए PYSSUM स्कूल आयें जहां पर डॉ० सुनील कुमार जोशी और उनकी टीम द्वारा उनकी जांच व उपचार किया गया। चिकित्सकों की सलाह

पर शिविर के दूसरे दिन फिर से कई मरीज शिविर में आए। दोबारा आयें मरीजों पर उपचार दोहराया गया और परिचारकों व देखभाल करने वालों की बेहतर समझ के लिए फिर से निर्देश दिए गए। वही जागरूकता अभियान के दूसरे दिन लखनऊ, उत्तर प्रदेश के विधायक डॉ० नीरज बोरा ने मंच की शोभा बढ़ाई व दर्शको कों संबोधित किया और डॉ सुनील कुमार जोशी ने मर्म विधि से ठीक हुए मरीजों का वर्णन साझा किया व दर्शकों के सवालों पर चर्चा की।

इस समारोह में प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अलावा, यूपी के आयुष विभागों के निदेशक, स्थानीय आयुष कॉलेजों के प्रधानाचार्य, स्थानीय संस्थानों के प्रभारी भी सम्मानित किए गए । जागरुकता अभियान में बड़ी संख्या में शहर भर के सभी पैथियों से जुड़े स्वास्थ्य कर्मियों ने भाग लिया। शिविर के आयोजन में सेवा अस्पताल और बोरा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, लखनऊ, रेड ब्रिगेड, स्पार्क इंडिया, 'रेनबो फॉर डिफरेंटली एबल्ड', सीएसआईआर पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन, समग्र योग संस्थान ने भी सहयोग किया| जीवनीय सोसाइटी और मृत्युंजय मिशन दोनों के योगदान को प्रदर्शित करने के लिए कॉलेज सभागार में एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई थी ।

Marma therapy is very effective in solving complex health problems - experts

Marma therapy (*Marm Chikitsa*) has been found to be very effective in the treatment of various ailments like mental and intellectual disorders in children such as cerebral palsy, autism and other conditions, musculoskeletal problems in addition to poliomyelitis, such as pain in the knee joints, rheumatoid arthritis and osteoarthritis or vertebral column and spinal cord or neurological problems and paralysis. These views were expressed by experts in the two-day *Marma Chikitsa* camp and awareness campaign program organized in the city in association with Lucknow-based voluntary organization Jeevaniya Society and Haridwar's Mrityunjay Mission. It is noteworthy that Marmas are those important places of the body which on pressing, rubbing or stimulating, can treat a particular disease.

On the first day of this campaign, a special health camp was inaugurated by Dr. Neeraj Bora, MLA, Lucknow North at PYSSUM Vidyalaya near Purnia, Sitapur Road, in which more than a 100 people suffering from complex problems of nervous system (nervous system) like neck, back, knee pain etc. including children suffering from mental health problems or polio, joint pain, spinal bones and were treated using Marma therapy.

Professor Sunil Joshi, Vice Chancellor, Uttarakhand AYUSH University, Uttarakhand delivered a practical lecture on Marma Medicine and its relevance in today's world under the awareness campaign lecture series organized in the auditorium of Netaji Subhash PG Girls College, Aliganj from 4 pm on the same day. On this occasion, Hon'ble Minister of AYUSH of Uttar Pradesh Shri Daya Shankar Mishra 'Dayalu ji' was the chief guest. In his address. Shri Dayalu ji praised the tireless efforts of Jeevaniya Society, Lucknow and Mrityunjay Mission, Haridwar for organizing *Marma Chikitsa* Camp and awareness program and expressed hope that by taking advantage of this therapy, people in the state would be able to solve their difficult health problems. He called upon the concerned officers, health workers, etc. present in the program to understand all the necessary technical aspects related to *Marma Chikitsa* and help them reach the needy people. He also expressed the hope that whatever is needed for this, the Uttar Pradesh government will definitely manage it under the leadership of the Hon'ble Chief Minister, Yogi Ji. In this direction, with the

help of the recently established Government AYUSH University, it will also be suggested to make arrangements for its education and training in all the AYUSH colleges of the state.

The activities on the second day, 8th October were similar with patients coming to PYSSUM School for diagnosis. Many patients visited the camp on second day again on advice of Dr Sunil Kumar Joshi and his team. The treatment was repeated and instructions were given again for better understanding of the attendants and caregivers. On the Awareness Campaign on second day, Dr. Neeraj Bora, MLA, Lucknow North adorned the stage and Dr Sunil Kumar Joshi took Questions from the audience.

Apart from prominent public health experts, Directors of AYUSH departments of UP, Principals of local AYUSH colleges, in-charges of local institutions were also felicitated in the ceremony. A large number of health professionals from across the city participated in the awareness campaign. Sewa Hospital and Bora Group of Institutions, Lucknow, Red Brigade, Spark India, 'Rainbow for Differently Abled', CSIR Pensioners Welfare Association, Samagra Yoga Sansthan also collaborated in organizing the camp. An exhibition was also organized in the Subhash PG Girls College auditorium to showcase the contributions of both the Jeevaniya Society and the Mrityunjay Mission.